ये अव्यक्त इशारे

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

26-11-2025

जैसे ब्रह्मा बाप अव्यक्त बन विदेही स्थिति द्वारा कर्मातीत बने, तो अव्यक्त ब्रह्मा की विशेष पालना के पात्र हो इसलिए अव्यक्त पालना का रेसपान्ड विदेही बनकर दो। सेवा और स्थिति का बैलेन्स रखो। विदेही माना देह से न्यारा। स्वभाव, संस्कार, कमजोरियां सब देह के साथ हैं और देह से न्यारा हो गया तो सबसे न्यारा हो गया, इसलिए यह ड्रिल बहुत सहयोग देगी, इसमें कन्ट्रोलिंग पावर चाहिए।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

Father Brahma became avyakt and karmateet with the bodiless stage, and you are worthy of special sustenance from avaykt Brahma. Therefore, give the return of that avyakt sustenance by becoming bodiless. Keep a balance between your service and your stage. "Bodiless" means to be detached from your body. Nature, sanskars and weaknesses are all connected with ones body and so, once you are detached from your body, you are beyond all of those things. Therefore, this drill will help you a lot, but; for this; you need controlling power.